

महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पी.जी.) कॉलेज फिरोजाबाद

(NAAC Accredited: B+ Grade)

सम्बद्ध: डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा



उद्योग अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ

दिनांक : 23-02-2026

कार्यशाला : DECORATIVE MOSAIC GLASS CRAFT

प्रो० प्रियदर्शिनी उपाध्याय	डॉ० अनिता चौरसिया	श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी
प्राचार्या	सहसंयोजिका	संयोजिका

कार्यशाला- रिपोर्ट : सत्र-2025-2026

महात्मा गांधी बालिका पीजी कॉलेज, फिरोजाबाद में उद्योग अकादमी एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ तथा कांच उद्योग विकास केंद्र, फिरोजाबाद के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं के कौशल संवर्धन, रचनात्मक विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **"Decorative Mosaic Glass Craft"** विषय पर छह सप्ताह तक चलने वाले कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला दिनांक 23 फरवरी 2026 से प्रारंभ कर छह सप्ताह तक नियमित रूप से संचालित की गई। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल, रचनात्मक क्षमता, आत्मविश्वास तथा रोजगारोन्मुख दक्षताओं से भी संपन्न करना है। इसी दृष्टि से महाविद्यालय द्वारा छात्राओं को पारंपरिक एवं आधुनिक हस्तशिल्प से जोड़ते हुए उनके भीतर छिपी सृजनात्मक प्रतिभा को पहचान कर उन्हें आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करना था।

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. प्रियदर्शिनी उपाध्याय ने छात्राओं को



संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ व्यावसायिक एवं तकनीकी कौशल का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवनोपयोगी कौशल भी प्रदान करते

हैं, जिससे वे भविष्य में स्वरोजगार स्थापित करने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में सक्षम हो सकें।



कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षण विशेषज्ञ डॉ. ज्योति जैन (कांच उद्योग विकास केंद्र, फिरोजाबाद) ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन की शुरुआत "हुनर सीखो, रोजगार पाओ" के संदेश से की। उन्होंने छात्राओं को कांच शिल्प उद्योग

की संभावनाओं, बाजार में इसकी बढ़ती मांग तथा इस क्षेत्र में उपलब्ध स्वरोजगार के अवसरों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि सृजनात्मकता, धैर्य एवं तकनीकी दक्षता के माध्यम से हस्तशिल्प को एक सफल व्यवसाय में परिवर्तित किया जा सकता है।

छह सप्ताह तक चले प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को Decorative Mosaic Glass Craft की संपूर्ण कार्यप्रणाली का व्यवस्थित एवं चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में



ग्लास चिप्स का चयन, रंगों का समन्वय, डिज़ाइन की रूपरेखा तैयार करना, विभिन्न प्रकार की मोज़ेक तकनीकों का प्रयोग, चिप्स को सुरक्षित एवं कलात्मक ढंग से स्थापित करना, फिनिशिंग, पॉलिशिंग तथा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के सभी व्यावहारिक पहलुओं का विस्तृत अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण अवधि में छात्राओं ने फोटो फ्रेम, वॉल हैंगिंग, सजावटी ट्रे, दर्पण फ्रेम, नेम प्लेट, कोस्टर, फ्लावर वेस, धार्मिक एवं सजावटी कलाकृतियों सहित अनेक आकर्षक उत्पाद तैयार किए। प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षिका द्वारा छात्राओं

के कार्य का मूल्यांकन कर आवश्यक सुझाव एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे उनके कार्य में निरंतर गुणवत्ता एवं निखार आता गया।

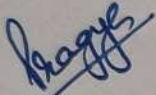
कार्यशाला के दौरान छात्राओं में रचनात्मक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति, सूक्ष्म कार्य करने की दक्षता, आत्मविश्वास, टीम भावना तथा उद्यमशील दृष्टिकोण का उल्लेखनीय विकास देखने को मिला। अनेक छात्राओं ने प्रशिक्षण के उपरान्त इस कला को स्वरोजगार एवं लघु उद्यम के रूप में अपनाने की इच्छा व्यक्त की, जो इस कार्यशाला की सार्थकता का प्रमाण है।

कार्यशाला का सफल संयोजन श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी द्वारा तथा सहसंयोजन डॉ. अनिता चौरसिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. प्रीति सिंह पटेल ने किया। संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में समिति की सदस्या डॉ. चर्चा, श्रीमती कीर्ति वर्मा एवं सुश्री कीर्ति मिश्रा सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर छात्राओं द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें उनके उत्कृष्ट सृजनात्मक कार्यों की सभी अतिथियों एवं शिक्षकों ने मुक्त कंठ से सराहना की।



प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कार्यशाला ने न केवल उनकी कलात्मक प्रतिभा को नई दिशा प्रदान की, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने और भविष्य में स्वरोजगार स्थापित करने के प्रति

भी प्रेरित किया। यह छह सप्ताहीय Decorative Mosaic Glass Craft कार्यशाला छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, कौशल संवर्धन, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा उद्यमिता विकास की दिशा में एक अत्यंत सफल एवं प्रभावी पहल सिद्ध हुई। महाविद्यालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे रोजगारोन्मुख एवं कौशल-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित आयोजन का संकल्प व्यक्त किया गया।



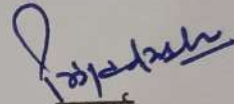
संयोजिका

श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी



सह-संयोजिका

डॉ० अनिता चौरसिया



प्राचार्या

प्रो० प्रियदर्शिनी उपाध्याय